AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

वस्तुनिष्ठ

# हिन्दी व्याकरण एवं साहित्य

## अध्यायवार महत्वपूर्ण प्रश्नों का संग्रह

(UPSC & State PSC, DSSSB, KVS, NVS, CTET & TET, TGT, PGT,
सभी राज्यों की परीक्षाओं, B.Ed. Entrance, पुलिस एवं अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए)

"5900+ अद्भुत प्रश्नों का संकलन
जिनका अभ्यास करके आप इस विषय की तैयारी का सटीक आंकलन कर सकेंगे !"

| Code | Price | Pages | ISBN |
|---|---|---|---|
| CB808 | ₹ 369 | 387 | 978-93-5561-012-6 |

# विषय सूची

*अध्याय* *पृष्ठ संख्या*


**Exam Information, Preparation Strategy and Current Affairs**

- **Agrawal Examcart Help Centre** v
- **Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें?** vi
- **Student's Corner** vii

**सामान्य हिन्दी** **1-387**

1. वर्ण विचार 1-9
2. संज्ञा 10-14
3. सर्वनाम 15-20
4. विशेषण 21-30
5. क्रिया 31-35
6. क्रिया–विशेषण 36-38
7. अव्यय एवं निपात 39-42
8. वर्तनी 43-51
9. लिंग 52-58
10. वचन 59-64
11. कारक 65-69
12. काल 70-74
13. विराम चिह्न 75-80
14. उपसर्ग 81-85
15. प्रत्यय 86-90
16. संधि 91-99
17. समास 100-109
18. वाक्यः अंग, भेद रचना एवं पदबंध 110-120
19. वाच्य 121-125
20. शब्द विचारः रूढ़, यौगिक एवं तत्सम–तद्भव, देशज–विदेशज शब्द आदि 126-140
21. समश्रुत भिन्नार्थक शब्द 141-145
22. एकार्थी शब्द 146-147
23. अनेकार्थक शब्द 148-151
24. पर्यायवाची शब्द 152-171
25. विलोम शब्द 172-180

## सामान्य हिन्दी


| | |
|---|---|
| 26. वाक्यांश के लिए एक शब्द | 181-191 |
| 27. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ | 192-211 |
| 28. रस | 212-216 |
| 29. छन्द | 217-221 |
| 30. अलंकार | 222-229 |
| 31. रिक्त स्थानों की पूर्ति | 230-239 |
| 32. वाक्यगत अशुद्धियाँ | 240-257 |
| 33. शब्दकोश, पारिभाषिक तकनीकी शब्द एवं हिन्दी/अंग्रेजी अनुवाद | 258-261 |
| 34. पत्र.लेखन तथा संक्षेपण | 262-265 |
| 35. अपठित गद्यांश | 266-311 |
| 36. अपठित पद्यांश | 312-318 |
| 37. हिन्दी भाषा का विकास एवं साहित्य | 319-351 |
| 38. हिन्दी साहित्य : गद्य–पद्य सूक्तियाँ कृति एवं कृतिकार | 352-374 |
| 39. विविध | 375-387 |

अध्याय

# 1 वर्ण विचार

**1.** अनुनासिक स्वरों का उच्चारण स्थल कौन–सा है?
(A) नाक और मुँह (B) नाक
(C) मुँह (D) ओष्ठ

**2.** इनमें से अमानक वर्णों का विकल्प कौन–सा है?
(A) अ (B) क्भ
(C) र य (D) झ अ

**3.** इनमें से किसका उच्चारण–स्थान 'कंठ' है?
(A) त (B) ग
(C) प (D) च

**4.** प्रयत्न के आधार पर 'ल' किस प्रकार की ध्वनि है?
(A) उत्क्षिप्त (B) पार्श्विक
(C) प्रकम्पित (D) संघर्षहीन

**5.** इनमें से किसके बिना कोई व्यंजन उच्चारित नहीं किया जा सकता?
(A) स्वर के बिना (B) अनुस्वार के बिना
(C) उपसर्ग के बिना (D) विसर्ग के बिना

**6.** तालव्य महाप्राण घोष व्यंजन वर्ण का उदाहरण कौन–सा है?
(A) ठ् (B) छ्
(C) झ् (D) थ्

**7.** कंठ्य अल्पप्राण व्यंजन वर्ण का उदाहरण कौन–सा है ?
(A) थ (B) ध
(C) फ (D) ङ्

**8.** इनमें से शुद्ध शब्द कौन–सा है?
(A) रोहिणी (B) रोहीनी
(C) रोहिनि (D) रोहिनी

**9.** इनमें से शुद्ध शब्द कौन–सा है?
(A) ध्नायालोक (B) ध्वन्यालोक
(C) धवन्यालोक (D) ध्वंयलोक

**10.** घ्, ग्, ड्, ठ्, त्–इनमें कितने अघोष व्यंजन हैं?
(A) 1 (B) 4
(C) 2 (D) 3

**11.** इनमें से कौन–सा व्यंजन 'ऊष्म' है?
(A) ज (B) ष
(C) प (D) व

**12.** तालव्य महाप्राण अघोष व्यंजन वर्ण का उदाहरण कौन–सा है?
(A) ठ् (B) छ्
(C) थ् (D) झ्

**13.** सही वर्तनी वाला शब्द कौन–सा है?
(A) कारलय (B) कार्यालय
(C) कार्यलय (D) कार्यलाय

**14.** सही वर्तनी वाला शब्द कौन–सा है?
(A) प्रतमाक्षर (B) प्रथामाच्छर
(C) प्रथमाक्षर (D) प्रितमाक्षर

**15.** 'हिंदी वर्तनी का मानकीकरण' किस वर्ष प्रकाशित हुआ था?
(A) 1967 (B) 1965
(C) 1968 (D) 1966

**16.** ओष्ठ्य अल्पप्राण घोष वर्ण का उदाहरण कौन–सा है?
(A) भ् (B) ब्
(C) प् (D) फ्

**17.** हिंदी में अल्पप्राण वर्णों की संख्या कितनी है?
(A) 15 (B) 30
(C) 31 (D) 29

**18.** इनमें से कौन–सा वर्ण अघोष है?
(A) ड (B) झ
(C) च (D) ज

**19.** कंठ्य, महाप्राण, घोष व्यंजन वर्ण का उदाहरण कौन–सा है?
(A) ख् (B) क्
(C) ङ् (D) ह्

**20.** कंठ्यतालव्य दीर्घ स्वर वर्ण का उदाहरण कौन-सा है?
(A) ऊ (B) औ
(C) ऋ (D) ए

**21.** इनमें से किस शब्द में 'ऋ' की मात्रा का उपयोग हुआ है?
(A) वृष्टि (B) रिपु
(C) क्रिया (D) वर्षा

**22.** ओष्ठय, अल्पप्राण, घोष व्यंजन वर्ण का उदाहरण कौन–सा है?
(A) फ् (B) ब्
(C) प् (D) व्

**23.** देवनागरी लिपि में किए गए सुधारों में पंचमाक्षर के बदले अनुस्वार के प्रयोग का सुझाव इनमें से किसने दिया था?
(A) श्यामसुंदर दास ने
(B) काशी नागरी प्रचारिणी
(C) सावरकर बंधुओं ने
(D) बाल गंगाधर तिलक ने

**24.** इनमें से किसका उच्चारण–स्थान 'दंत' है?
(A) ग (B) प
(C) त (D) च

**25.** मूर्धन्य ह्रस्व स्वर का उदाहरण कौन–सा है?
(A) ऋ (B) ए
(C) उ (D) इ

**26.** ग्, ज्, छ्, च्, ट्–इनमें तालव्य महाप्राण घोष वर्ण कितने हैं?
(A) 0 (B) 3
(C) 1 (D) 2

**27.** इनमें से किस–से शब्द का आरंभ नहीं होता है?
(A) फ (B) ड़
(C) ड (D) ज

**28.** इनमें से 'तालव्य व्यंजन' का उदाहरण कौन–सा है?
(A) द, ट, ड, ढ (B) म, प, ज, भ
(C) त, थ, द, ध (D) च, छ, ज, झ

**29.** 'छ' ध्वनि का उच्चारण स्थान कौन–सा होगा?
(A) ओष्ठ्य (B) तालव्य
(C) वत्सर्य (D) दन्त्य

**30.** जिन स्वरों के उच्चारण में हवा नाक से भी निकलती है, उन्हें ..... कहते हैं।
(A) निरनुनासिक स्वर
(B) अनुनासिक स्वर
(C) मौखिक स्वर
(D) लुंठित स्वर

**31.** निम्नलिखित में से कौन–सा अंतःस्थ व्यंजन है ?
(A) ल (B) प
(C) च (D) ट

**32.** हिन्दी स्वरों का वर्गीकरण जब जीभ के भाग के आधार पर किया जाता है तो निम्नलिखित में से कौन–सा भेद इसके अंतर्गत नहीं आएगा?
(A) अग्र स्वर (B) मध्य स्वर
(C) पश्च स्वर (D) विवृत स्वर

**33.** निम्नलिखित में से कौन–सा संयुक्त स्वर नहीं है ?
(A) ए (B) ऐ
(C) ऊ (D) ओ

**34.** निम्नलिखित में से कौन–सा वर्ण दंत्य नहीं है?
(A) त (B) द
(C) ल (D) य

**35.** च छ ज झ ञ का उच्चारण होता है:
(A) ओष्ठ से (B) दंत से
(C) तालू से (D) मूर्दधा से

**36.** 'ट वर्ग' उच्चारण की दृष्टि से किस प्रकार की ध्वनि है?
(A) कण्ठ्य (B) तालव्य
(C) मूर्धन्य (D) दन्त्य

**37.** निम्नलिखित में से कौन–सा दीर्घ स्वर है?
(A) आ (B) उ
(C) ए (D) ओ

**38.** किस स्वर के उच्चारण में दीर्घ स्वर से भी अधिक समय लगता है ?
(A) अनुस्वार (B) अनुनासिक
(C) ह्रस्व (D) प्लुत

**39.** वर्णमाला में स्पर्श व्यंजनों की संख्या कितनी है ?
(A) 25 (B) 30
(C) 20 (D) 35

**40.** स्वर ए-ऐ का उच्चारण स्थान कौन-सा है ?
(A) कंठोष्ठ (B) दंतोष्ठ
(C) कण्ठ तालव्य (D) ओष्ठ

**41.** हिन्दी शब्दकोश में 'क' के बाद कौन-सा व्यंजन दिखाई देता है ?
(A) झ (B) च
(C) ख (D) क्ष

**42.** इनमें से कौन–सी देवनागरी लिपि की वर्ण ध्वनि नहीं है ?
(A) ग्रीवा ध्वनि (B) मूर्धा ध्वनि
(C) कंठ ध्वनि (D) दन्तोष्ठ्य

**43.** किस व्यंजन का उच्चारण स्थान तालव्य है ?
(A) ग (B) झ
(C) न (D) म

**44.** जिन ध्वनियों की गणना न स्वर में की जाती है न व्यंजन में उसे क्या कहते हैं ?
(A) आगत (B) ऊष्म
(C) अंतस्थ (D) अयोगवाह

**45.** स्वर तंत्रियों के आधार पर व्यंजनों को कितने वर्गों में बाँटा गया है ?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार

**46.** जिह्वा की नोंक जब ऊपर के दाँतों की पंक्ति के सामने वाले दाँत के ऊपरी हिस्से के सम्पर्क में आकर वायु के प्रवाह को अवरुद्ध करती है, ऐसे उच्चारण स्थान को क्या कहा जाता है ?
(A) दंत्य (B) मूर्धन्य
(C) तालुव्य (D) वर्त्स्य

**47.** निम्न में दंत्य वर्ण कौन–सा है ?
(A) स (B) प
(C) ट (D) ह

**48.** निम्न में अनुनासिक वर्ण कौन–सा है ?
(A) प (B) ब
(C) म (D) थ

**49.** निम्न में कौन–सा वर्ण घोष है ?
(A) क (B) ख
(C) च (D) ग

**50.** हिन्दी में ध्वनियाँ कितने प्रकार की होती हैं ?
(A) 2 (B) 4
(C) 6 (D) 8

**51.** मात्रा के आधार पर स्वर कितने प्रकार के होते हैं ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

**52.** जिह्वा के आधार पर स्वर कितने प्रकार के होते हैं?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 6

**53.** निम्नलिखित में से कौन–सा मूल दीर्घ स्वर नहीं है ?
(A) आ (B) ई
(C) ऊ (D) ओ

**54.** निम्न में अल्पप्राण व्यंजन कौन–सा है ?
(A) ख (B) ग
(C) घ (D) ठ

**55.** निम्न में ओष्ठ्य वर्ण कौन–सा है ?
(A) अ (B) आ
(C) इ (D) उ

**56.** जिनका उच्चारण स्वतंत्रता से होता है, और जो व्यंजन के उच्चारण में सहायक होते हैं, उसे कहते हैं–
(A) संज्ञा (B) स्वर
(C) व्यंजन (D) विसर्ग

**57.** इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ, आदि का उच्चारण किससे होता है ?
(A) कंठ्य से (B) मूर्धन्य से
(C) तालव्य से (D) ओष्ठ से

**58.** दन्त्योष्ठ्य ध्वनि कौन–सी है ?
(A) व (B) फ
(C) य (D) र

**59.** जब एक ही ध्वनि का द्वित्व हो जाए, तब वह क्या कहलाती है ?
(A) संयुक्त ध्वनियाँ
(B) युग्मक ध्वनियाँ
(C) संपृक्त ध्वनियाँ
(D) पारस्पारिक ध्वनियाँ

**60.** सभी महाप्राण वर्णों वाला वर्ग है :
(A) ख छ ठ (B) ध च ड
(C) म श ध (D) य द ध

**61.** सभी स्पर्श व्यंजन कौन–से वर्ग में हैं ?
(A) क र ल ह (B) य श द र
(C) क च प द (D) ह श र ब

**62.** काकल्य वर्ण कौन–सा है ?
(A) य (B) स
(C) ह (D) ण

**63.** अर्द्ध विवृत स्वर है–
(A) ऊ (B) ऐ
(C) आ (D) ए

**64.** अंतस्थ और ऊष्म वर्ण कितने हैं ?
(A) 6 (B) 8
(C) 9 (D) 7

**65.** निम्न में महाप्राण व्यंजन कौन–सा है ?
(A) त (B) द
(C) भ (D) म

**66.** निम्न में कण्ठ्य वर्ग कौन–सा है ?
(A) उ (B) अ
(C) इ (D) ई

**67.** दो व्यंजन जब एक साथ मिलते हैं तो क्या कहलाते हैं ?
(A) संयुक्त व्यंजन (B) अल्पप्राण
(C) अन्तःस्थ (D) महाप्राण

**68.** वर्ण तालिका के अनुसार ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत क्या है ?
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) मात्रा (D) विसर्ग

**69.** हिन्दी वर्णमाला में अन्तःस्थ व्यंजन कौन–से हैं ?
(A) श ष स ह (B) य र ल व
(C) क्ष त्र ज्ञ श्र (D) च छ ज झ

**70.** हिन्दी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या है–
(A) 32 (B) 34
(C) 33 (D) 36

**71.** निम्न में से महाप्राण व्यंजन है–
(A) क (B) ज
(C) घ (D) व

**72.** निम्नलिखित में से कौन–सा संयुक्त स्वर है?
(A) ए, ऐ, ऋ (B) अ, ए, ओ
(C) आ, ऐ औ (D) ए, ऐ, ओ, औ

**73.** ऐसी कौन–सी दो मात्राएँ हैं जिनका प्रयोग तो किया जाता है, किन्तु उनका समावेश 'स्वर' में नहीं किया जाता है ?
(A) आ, इ (B) अं, अः
(C) ऋ, उ (D) अँ, अॅ

**74.** प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण क्या कहलाता है ?
(A) महाप्राण व्यंजन
(B) अल्पप्राण व्यंजन
(C) उत्क्षिप्त व्यंजन
(D) अनुनासिक व्यंजन

**75.** उच्चारण की दृष्टि से 'सम्बल' ध्वनि का कौन–सा वर्गीकरण है ?
(A) सम्पृक्त ध्वनि
(B) युग्मक ध्वनि
(C) संयुक्त ध्वनि
(D) द्वित्व ध्वनि

**76.** स्वरों का उच्चारण–
(A) व्यंजनों की सहायता से होता है।
(B) अनुस्वार की सहायता से होता है।
(C) अनुनासिक की सहायता से होता है।
(D) बिना किसी की सहायता से होता है।

**77.** सघोष वर्ण कौन–सा है ?
(A) प (B) थ
(C) ब (D) श

**78.** 'उद्यान' का शुद्ध वर्ण–विच्छेद है–
(A) उ + द + य + आ + न् + अ
(B) उ + द् + य + अ + न + अ
(C) उ + द् + य + आ + न् + अ
(D) अ + द + य् + अ + न + अ

**79.** मध्य स्वर कहते हैं–
(A) उ को (B) इ को
(C) ई को (D) अ को

**80.** 'र्+म' का रूप है–
A) मृ (B) म्र
(C) र्म (D) कोई नहीं

**81.** 'प्र' में पूर्ण वर्ण है–
(A) प (B) र
(C) दोनों (D) कोई नहीं

**82.** 'श' का उच्चारण स्थान है–
(A) कंठ (B) तालु
(C) मूर्द्धा (D) दन्त

**83.** कौन–सी ध्वनि महाप्राण नहीं है ?
(A) ख (B) घ
(C) ज (D) झ

**84.** भाषा–विज्ञान की दृष्टि से 'ऊ' किस प्रकार का स्वर है?
(A) पश्च विवृत (B) अग्र संवृत
(C) अग्र विवृत (D) पश्च संवृत

**85.** 'व' का उच्चारण स्थान है।
(A) दन्त (B) ओष्ठ
(C) दन्तोष्ठ (D) कण्ठोष्ठ

**86.** संयुक्त व्यंजन 'ज्ञ' बनता है?
(A) ग + ञ (B) ज् + ञ
(C) ग् + न (D) क + ग

**87.** निम्नलिखित में से कौन 'ट' वर्ग में नहीं है?
(A) ठ (B) ढ
(C) ध (D) ण

**88.** हिन्दी भाषा में ह्रस्व स्वरों की संख्या कितनी है?
(A) ग्यारह (B) चार
(C) सात (D) दो

**89.** 'ल' और 'स' का उच्चारण किस स्थान से होता है ?
(A) कंठ्य (B) दंत्य
(C) ओष्ठ्य (D) तालव्य

**90.** हिन्दी भाषा की कुल वर्ण लिपियाँ हैं–
(A) 44 (B) 33
(C) 52 (D) 48

**91.** जिनकी ध्वनि केवल मुख से निकलती है, वे हैं–
(A) वृत्ताकार स्वर
(B) संवृत स्वर
(C) अनुनासिक स्वर
(D) निरनुनासिक स्वर

**92.** निम्न में से कौन–सा व्यंजन स्पर्शसंघर्षी है?
(A) ज (B) र
(C) ह (D) ष

**93.** 'ट', 'ठ', 'ड', 'ढ' वर्णों के प्रयोग का संबंध काव्य के किस गुण से है?
(A) ओज
(B) प्रसाद
(C) माधुर्य
(D) इनमें से कोई नही

**94.** हिन्दी में प्रत्येक वर्ग के अंतिम वर्ण का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) दंत (B) तालु
(C) नासिका (D) कंठ

**95.** स्वरों का जो रूप व्यंजनों के साथ जोड़ा जाता है, उसे कहते हैं–
(A) मात्रा (B) वर्णमाला
(C) उच्चारण स्थान (D) आगत वर्ण

**96.** भाषा की सबसे छोटी इकाई है–
(A) वर्ण (B) शब्द
(C) पद (D) वाक्य

**97.** विसर्ग का उच्चारण किसकी भाँति होता है ?
(A) श (B) ष
(C) स (D) ह

**98.** 'च वर्ण' का उच्चारण मुँह के किस भाग से होता है ?
(A) कण्ठ (B) मूर्धा
(C) ओष्ठ (D) तालु

**99.** निम्नलिखित में असत्य कथन की पहचान कीजिए–
(A) व्यंजन वर्गों के तीसरे, चौथे और पाँचवें व्यंजन सघोष हैं
(B) व्यंजन वर्गों के पहले और दूसरे व्यंजन अघोष हैं
(C) समस्त स्वर घोष ध्वनियाँ हैं
(D) सभी विसर्ग सघोष है

**100.** निम्नलिखित व्यंजनों में नासिक्य व्यंजन है–
(A) न् (B) च्
(C) ढ़ (D) श्

**101.** कौन–सा व्यंजन नासिका द्वारा उच्चारित होता है ?
(A) ण (B) ज
(C) ड (D) द

**102.** य, र, ल, व किस प्रकार के व्यंजन हैं ?
(A) ऊष्म (B) अन्तस्थ
(C) स्पर्श (D) अयोगवाह

**103.** शब्द की सबसे छोटी इकाई क्या कहलाती है ?
(A) स्वर (B) वर्ण
(C) व्यंजन (D) अयोगवाह

**104.** वर्णों के समुदाय को क्या कहते हैं ?
(A) वर्णमाला (B) सर्वनाम
(C) अक्षर (D) क्रिया

**105.** निम्न में से तालव्य ध्वनि है–
(A) ट (B) प
(C) श (D) क

**106.** निम्न में से कौन–सा वर्ण अघोष है ?
(A) क (B) ग
(C) घ (D) ज

**107.** 'श' का उच्चारण स्थान है–
(A) कण्ठ (B) तालु
(C) दंत (D) मूर्धा

**108.** कौन-से शब्द में 'र' व्यंजन नहीं है ?
(A) मात्र (B) मूर्धा
(C) क्रम (D) मातृभूमि

**109.** 'क्ष' वर्ण किन वर्णों के संयोग से बना है ? निम्नांकित विकल्पों में से सही विकल्प की पहचान कीजिए :
(A) क् + ष (B) क + छ
(C) छ + ह (D) च + प

**110.** 'ढ' वर्ण किस वर्ग का है ? दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प छाँटिए।
(A) क वर्ग (B) च वर्ग
(C) प वर्ग (D) ट वर्ग

**111.** अर्थ व्यक्त करने वाली सबसे छोटी इकाई है–
(A) शब्द (B) वाक्य
(C) ध्वनि (D) वर्ण

**112.** उस मूल ध्वनि को, जिसके खंड न हो सकें–उसे क्या कहते हैं ?
(A) कृदन्त (B) शब्द
(C) प्रत्यय (D) वर्ण

**113.** उच्चारण स्थान के आधार पर हिन्दी–व्यंजनों को कितने वर्गों में रखा जाता है ? निम्नलिखित में से सही विकल्प को चिह्नित कीजिए–
(A) ग्यारह (B) नौ
(C) सात (D) पाँच

**114.** अनुनासिक व्यंजन कौन–से होते हैं ?
(A) वर्ग के प्रथमाक्षर
(B) वर्ग का तृतीयाक्षर
(C) वर्ग का चौथा व्यंजन
(D) वर्ग का पंचमाक्षर

**115.** 'फ' वर्ण का उच्चारण स्थान बताइए–
(A) मूर्धा (B) तालु
(C) कंठ (D) ओष्ठ

**116.** प्लुत स्वर कौन–सा है?
(A) ओउम् (B) ओम्
(C) ओम (D) अउम

**117.** उच्चारण स्थान की दृष्टि से कौन–सा विकल्प शुद्ध है?
(A) स–दन्त्य (B) च–कंठ्य
(C) ष–तालव्य (D) श–मूर्धन्य

**118.** निम्न में संयुक्त व्यंजन कौन–सा नहीं है ?
(A) त्र (B) य
(C) क्ष (D) ज्ञ

**119.** जिनका उच्चारण ऊपर के दाँतों पर जीभ लगाने से होता है, उसे क्या कहते हैं ?
(A) मूर्धन्य (B) कंठ्य
(C) दन्त्य (D) अनुनासिक

**120.** निम्नलिखित में से 'ऊष्म व्यंजन' कौन–से हैं?
(A) च–छ–ज (B) श–ष–स
(C) अ–ब–स (D) य–र–ल

**121.** 'ङ्' का उच्चारण स्थान होता है–
(A) नासिक्य (B) कण्ठौष्ठ्य
(C) मूर्धन्य (D) कण्ठतालव्य

**122.** इन शब्दों में से कौन-सा शब्द हिन्दी शब्दकोश में सबसे अन्त में आएगा?
(A) क्लीव (B) क्रम
(C) कृषक (D) कृशानु

**123.** ट वर्ग में किस प्रकार के व्यंजन हैं?
(A) कंठ्य (B) तालव्य
(C) मूर्धन्य (D) दन्त्य

**124.** 'घ' का उच्चारण स्थान कौन–सा है ?
(A) मूर्द्धा (B) कण्ठ
(C) तालु (D) दन्त

**125.** निम्न में से कौन–सा शब्द अमात्रिक है?
(A) कारखाना (B) अमिताभ
(C) कलरव (D) चहचहाना

**126.** अयोगवाह कहा जाता है–
(A) महाप्राण को
(B) अनुस्वार एवं विसर्ग को
(C) संयुक्त व्यंजन को
(D) अल्पप्राण को

**127.** निम्नलिखित में से कौन–सा उत्तर सही है?
(i) अनुस्वार पूर्ण अनुनासिक ध्वनि है।
(ii) वर्ग का पंचमाक्षर अनुनासिक होता है।
(iii) अनुनासिक के उच्चारण के दौरान नाक से बहुत कम साँस निकलती है और मुँह से अधिक।

**कूट :**
(A) केवल (iii)
(B) केवल (i)
(C) केवल (i) एवं (ii)
(D) (i), (ii) एवं (iii)

**128.** निम्नलिखित में से 'दन्तव्य' वर्ण है–
(A) ट् (B) च्
(C) त् (D) उ

**129.** हिन्दी शब्दकोश में पहले आने वाला शब्द है–
(A) वक्त (B) वरक
(C) वक्र (D) वर्ग

**130.** हिन्दी शब्दकोश में अं किस वर्ण से पहले आता है?
(A) औ (B) अ
(C) अः (D) आ

**131.** केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ने हिन्दी की मानक वर्णमाला में मूलतः कितनी स्वर और कितनी व्यंजन–ध्वनियों को स्थान दिया है ?
(A) 12 और 30 (B) 12 और 35
(C) 11 और 35 (D) 11 और 36

**132.** उच्चारण–स्थान की दृष्टि से हिन्दी के :अ' और 'आ' स्वर हैं–
(A) तालव्य (B) मूर्धन्ध
(C) ओष्ठ्य (D) कण्ठ्य

**133.** निम्नलिखित में से कौन–सा वर्ण घोष–महाप्राण है?
(A) श (B) ष
(C) स (D) ह

**134.** सभी स्वर होते हैं–
(A) दीर्घ (B) अघोष
(C) महाप्राण (D) अल्पप्राण

**135.** निम्नलिखित में एक औष्ठ्य ध्वनि नहीं है ?
(A) प (B) भ
(C) ध (D) फ

**136.** अपभ्रंश में स्वरों की संख्या थीः
(A) चार (B) सात
(C) आठ (D) दस

**137.** इनमें से कौन–सी ध्वनि संयुक्त व्यंजन है?
(A) क्य (B) च्च
(C) ट (D) औ

**138.** निम्नलिखित में से मूर्धन्य ध्वनि नहीं है–
(A) ट (B) ठ
(C) ढ (D) ढ़

**139.** देवनागरी लिपि मूलतः क्या है?
(A) वर्णात्मक (B) अक्षरात्मक
(C) चित्रात्मक (D) प्रतीकात्मक

**140.** मराठी और नेपाली भाषा किस लिपि में लिखी जाती है ?
(A) देवनागरी (B) शारदा
(C) कुटिल (D) गुरुमुखी

**141.** भाषा में अभिव्यक्ति के कितने रूप हैं ?
(A) तीन (B) दो
(C) चार (D) पाँच

**142.** 'ऐ' किन दो स्वरों से मिलकर बना है?
(A) अ + इ (B) अ + उ
(C) अ + ए (D) अ + ओ

**143.** 'श, ष, स्, ह' कौन–से व्यंजन कहलाते हैं?
(A) स्पर्शी (B) ऊष्म
(C) स्पर्श–संघर्षी (D) प्रकंपी

**144.** निम्न में से 'महाप्राण' वर्ण कौन से हैं?
(A) क, च (B) ख, घ
(C) त, द (D) य, र

**145.** निम्नलिखित में कौन–से वर्ण का उच्चारण स्थान मूर्धा नहीं है ?
(A) ट (B) थ
(C) ड (D) ऋ

**146.** कौन–सा स्वर दीर्घ है ?
(A) अ (B) इ
(C) उ (D) ऐ

**147.** 'थ' किस वर्ग का व्यंजन है ?
(A) ओष्ठय (B) तालव्य
(C) दन्त्य (D) ऊष्म

**148.** निम्नलिखित में से कौन–सा प्रकम्पित वर्ण है ?
(A) र (B) ल
(C) य (D) व

**149.** हिन्दी शब्दकोश में 'क' के बाद कौन-सा व्यंजन दिखाई देता है ?
(A) झ (B) च
(C) ख (D) क्ष

**150.** जिह्वा की नोंक जब ऊपर के दाँतों की पंक्ति के सामने वाले दाँत के ऊपरी हिस्से के सम्पर्क में आकर वायु के प्रवाह को अवरुद्ध करती है, ऐसे उच्चारण स्थान को क्या कहा जाता है ?
(A) दंत्य (B) मूर्धन्य
(C) तालुव्य (D) वर्त्स्य

**151.** निम्न में कौन–सा वर्ण घोष है ?
(A) क (B) ख
(C) च (D) ग

**152.** प, फ, ब, भ, म व्यंजन होते हैं।
(A) दंत्य (B) ओष्ठ्य
(C) तालव्य (D) कंठ्य

**153.** वर्ण तालिका के अनुसार ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत क्या है ?
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) मात्रा (D) विसर्ग

**154.** 'प्र' में पूर्ण वर्ण है–
(A) प (B) र
(C) दोनों (D) कोई नहीं

**155.** संयुक्त व्यंजन 'ज्ञ' बनता है?
(A) ग + ञ (B) ज् + ञ
(C) ग् + न (D) क + ग

**156.** निम्न में से कौन–सा व्यंजन संघर्षी है?
(A) ह (B) म
(C) झ (D) ठ

**157.** हिंदी वर्णमाला में स्वरों की संख्या ..... है। रिक्त स्थान की पूर्ति करें–
(A) 11 (B) 10
(C) 9 (D) 13

**158.** य, र, ल, व किस वर्ग के व्यंजन हैं ?
(A) ऊष्म (B) अंतःस्थ
(C) दंत्य (D) तालव्य

**159.** 'ष' का उच्चारण स्थान है–
(A) दंत (B) तालू
(C) कंठ (D) मूर्द्धा

**160.** हिन्दी शब्दकोश में 'क्ष' का क्रम इनमें से किस वर्ण के बाद में आता है ?
(A) ह (B) छ
(C) क (D) श

**161.** लिपि-चिह्नों के क्रमबद्ध समूह को क्या कहते हैं ?
(A) अक्षर (B) वर्ण
(C) वर्ण-समूह (D) वर्णमाला

**162.** निम्नलिखित हिन्दी वर्णों में से 'अयोगवाह' कौन–सा वर्ण है?
(A) 'उ', 'ऊ' (B) 'अं', 'अः'
(C) 'आ', 'ओ' (D) 'ए', 'ऐ'

**163.** निम्नलिखित वर्णों में कौन–सा वर्ण मूर्धन्य नहीं है?
(A) 'ज' (B) 'ट'
(C) 'ड' (D) 'ठ'

**164.** निम्नलिखित में विवृत्त स्वर है–
(A) 'ई' (B) 'ऐ'
(C) 'ऊ' (D) 'आ'

**165.** निम्नलिखित व्यंजनों में से कौन-से व्यंजन का उच्चारण तालु से होता है ?
(A) क (B) ढ
(C) छ (D) म

**166.** निम्नलिखित में से कौन वर्ण अन्तःस्थ नहीं है?
(A) य (B) ह
(C) र (D) व

**167.** य, र, ल, व व्यंजनों को कहते हैं–
(A) स्पर्श व्यंजन
(B) अन्तःस्थ व्यंजन
(C) ऊष्म व्यंजन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**168.** 'श्री' में किन वर्णों का संयोग है ? सही विकल्प चुनें।
(A) श् + र + ई
(B) ष् + र् + ई
(C) स् + र् + ई
(D) स् + ई + र् + ई

**169.** पंचांग शब्द में उच्चरित ध्वनियों का लेखन निम्नलिखित में से किसमें हुआ है?
(A) पन्चाङ्ग (B) पञ्चान्य
(C) पञ्चाङ्ग (D) पञ्चङग

**170.** लिखित वर्ण–संकेतों की सहायता से भाव या विचार की अभिव्यक्ति को कहते हैं –
(A) लिपि (B) भाषा
(C) वर्ण (D) इनमें से कोई नहीं

**171.** निम्न में से कौन–सा वर्ण महाप्राण को दर्शाता है?
(A) ट (B) ड़
(C) ण (D) फ

**172.** हिन्दी वर्णमाला में 'घ' वर्ण ..... विभाग में आता है।
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) अनुस्वर (D) संयुक्ताक्षर

**173.** हिंदी भाषा में वे कौन–सी ध्वनियाँ हैं जो स्वतंत्र रूप से बोली या लिखी जाती हैं?
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) वर्ण (D) अक्षर

## व्याख्यात्मक हल

**1.** (A) अनुनासिक स्वरों के उच्चारण में मुख के साथ–साथ नासिका की भी सहायता लेनी पड़ती है, अर्थात् जिन स्वरों का उच्चारण मुख और नासिका दोनों से किया जाता है। वे अनुनासिक स्वर कहलाते हैं। इनका चिह्न चन्द्रबिन्दु ( ँ ) है। जैसे–कुआँ, चाँद, अँधेरा, आदि।

**2.** (B) हिन्दी में बहुत से ऐसे वर्ण होते थे, जो कि वर्तमान समय में चलन में नहीं हैं अथवा हिन्दी के मूलवर्णों में शामिल नहीं है। अमानक वर्णों की श्रेणी में आते हैं। प्रश्न के सन्दर्भ में विकल्प (B) 'क्भ' अमानक वर्ण है।

**3.** (B) 'क' वर्ग के व्यंजन क ख ग घ (ङ) कण्ठव्य उच्चारण के व्यंजन हैं अतः 'ग' का उच्चारण स्थान कण्ठ है, जबकि त → दन्तवव्य, प → ओष्ठव्य तथा च → तालव्य है।

**4.** (B) प्रयत्न के आधार पर 'ल' पार्श्विक ध्वनि है, अतः विकल्प (B) सही है।

**5.** (A) व्यंजन वे वर्ण हैं जिन को स्वतन्त्र रूप से उच्चारित नहीं किया जा सकता है उन्हें स्वर की सहायता से ही उच्चारित किया जा सकता है, जबकि स्वर की स्वतन्त्र ध्वनि होती है।

**6.** (C) 'च' वर्ग व्यंजनों का उच्चारण स्थान तालव्य है जिनमें छ और झ महाप्राण हैं। 'छ' अघोष तथा 'झ' घोष है अतः 'झ' तालव्य महाप्राण घोष व्यंजन वर्ण है।

**7.** (D) कण्ठव्य ध्वनि–'क' वर्ग के व्यंजन हैं–

| क | ख | ग | घ | ङ |
|---|---|---|---|---|
| ↓ | ↓ | ↓ | ↓ | ↓ |
| अल्प प्राण | महाप्राण | अल्प प्राण | महाप्राण | अल्प प्राण |

दिये गये विकल्पों में (ङ) अल्प प्राण कण्ठव्य व्यंजन है।

**8.** (A) दिये गये विकल्पों में 'रोहिणी' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है, जबकि अन्य सभी विकल्प अशुद्ध हैं।

**9.** (B) प्रश्नानुसार–'ध्वन्यालोक' शुद्ध शब्द है, जबकि अन्य विकल्प की अशुद्ध वर्तनी हैं।

**10.** (C) घ, ग, ड, ठ, त में त तथा ठ अघोष व्यंजन हैं। अतः अघोष व्यंजनों की संख्या 2 है, विकल्प (C) सही है।

**11.** (B) हिन्दी वर्णमाला 'श', 'ष', 'स', 'ह' को ऊष्म व्यंजन कहा जाता है अतः विकल्पों में से 'ष' ऊष्म व्यंजन है।

**12.** (B) दिये गये विकल्पों के अनुसार 'छ' तालव्य, महाप्राण अघोष व्यंजन है।

**13.** (B) दिये गये विकल्पों में 'कार्यालय' शुद्ध वर्तनी है, जबकि अन्य शब्द अशुद्ध वर्तनी वाले शब्द हैं। अतः विकल्प (B) सही है।

**14.** (C) दिये गये विकल्पों में 'प्रथमाक्षर' शुद्ध वर्तनी है, जबकि अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

**15.** (A) मानक हिंदी वर्तनी का कार्य क्षेत्र केन्द्रीय हिंदी निदेशालय का है। हिन्दी वर्तनी मानकीकरण का प्रकाशन वर्ष 1967 में हुआ था।

**16.** (B) विकल्प (B) में दिया गया वर्ण 'ब्' ओष्ठ्य अल्पप्राण घोष वर्ण का उदाहरण है। 'प' वर्ग के सभी वर्ण ओष्ठ्य वर्ण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवाँ वर्ण अल्पप्राण व्यंजन तथा प्रत्येक वर्ग का का तीसरा, चौथा और पाँचवाँ वर्ण घोष वर्ण होता है।

**17.** (C) हिंदी में अल्पप्राण वर्णों की संख्या '31' होती है। 15 स्पर्श व्यंजन + 4 अन्तःस्थ व्यंजन + 1 उक्षिप्त व्यंजन + 11 स्वर। इस प्रकार कुल मिलाकर '31' अल्पप्राण वर्ण होते हैं। अतः विकल्प (C) सही है।

**18.** (C) विकल्प (C) में दिया गया वर्ण 'च' अघोष वर्ण है। प्रत्येक वर्ण का पहला, दूसरा वर्ण तथा ऊष्म वर्ण श, ष, स, ह अघोष वर्ण कहलाते हैं।

**19.** (D) विकल्प (D) में दिया गया वर्ण 'ह्' कण्ठ्य महाप्राण घोष वर्ण है। कण्ठ और निचली जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण 'कण्ठ्य' कहलाते हैं।

**20.** (D) विकल्प (D) में दिया गया वर्ण 'ए' कंठ्यतालव्य दीर्घ स्वर वर्ण के अंतर्गत आता है। कण्ठ और तालु में जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण कण्ठतालव्य वर्ण कहलाते हैं।

**21.** (A) विकल्प (A) में दिए गए वृष्टि शब्द में 'ऋ' की मात्रा का उपयोग हुआ है। अतः विकल्प (A) सही है।

**22.** (B) विकल्प (B) में दिया गया वर्ण 'ब' ओष्ठ्य, अल्प्राण, घोष व्यंजन का उदाहरण है। अतः विकल्प (B) सही है।

**23.** (A) देवनागरी लिपि में पंचमाक्षर के बदले अनुस्वार के प्रयोग का सुझाव श्याम सुन्दर दास ने दिया था। अतः विकल्प (A) सही है।

**24.** (C) विकल्प (C) में दिए गए 'त' वर्ण का उच्चारण स्थान दंत है। 'त' वर्ग के सभी वर्ण तथा 'ल' और 'स' दन्तय वर्ण कहलाते हैं। दाँत और जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्णों को दन्त्य वर्ण कहते हैं।

**25.** (A) विकल्प (A) में दिया गया 'ऋ' मूर्धन्य ह्रस्व स्वर' का उदाहरण है। मुर्द्धा और जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण मूर्धन्य वर्ण कहलाते हैं। ऋ, ट वर्ग के सभी वर्ण 'र', और 'ष' मूर्धन्य वर्ण हैं।

**26.** (A) ग्, ज्, छ्, च्, ट् इन वर्णों में एक भी वर्ण तालव्य महाप्राण घोष वर्ण नहीं है। अतः विकल्प (A) सही है।

**27.** (B) ड़ से शब्द का आरंभ नहीं होता है।

**28.** (D) विकल्प (D) च, छ, ज, झ तालव्य व्यंजन का उदाहरण है।

**29.** (B) 'छ' ध्वनि का उच्चारण स्थान 'तालव्य' होता है। 'च' वर्ग के सभी वर्ण, इ, ई, 'य' और 'श' तालव्य वर्ण कहलाते हैं।

**30.** (B) अनुनासिक स्वर' सही विकल्प है। 'अनुनासिक स्वर (ँ) – ऐसे स्वरों का उच्चारण नाक और मुँह से होता है और उच्चारण में लघुता रहती है । जैसे–गाँव, आँगन, दाँत, साँचा आदि।

**31.** (A) अन्तःस्थ व्यंजन' अन्तकरण से उच्चरित होने वाले व्यजनों को कहा जाता है । जैसे–'य', 'र' 'ल' , 'व' । अन्तःस्थ का अर्थ है–भीतर रहने वाला' अन्दर का, भीतरी, मन में रहने वाला। अतः विकल्प (A) सही है।

**32.** (D) 'विवृत स्वर'। विवृत स्वर (open vowel) या निम्न स्वर (low vowel) ऐसी स्वर ध्वनि होती है। जिसमें 'जीभ' को मुँह में जितना सम्भव हो सके उतना नीचे और तालु से दूर रखा जाता है । उदाहरण के लिए 'आ'' ऐसा ही एक स्वर है ।

**33.** (C) 'ऊ' मूल स्वर है जबकि अन्य सभी संयुक्त स्वर हैं।

**34.** (D) 'य' तालव्य व्यजन है। 'त' व 'द' दन्त वर्ण है। जबकि 'ल' वर्त्स्य अर्थात् दन्त मसूड़ा (दंत मूल से) व्यंजन है ।

**35.** (C) तालु व्यंजन सही है क्योंकि च, छ, ज, झ, ञ, श, य तालव्य व्यंजन हैं।

**36.** (C) व्यजनों का वर्गीकरण मुख्य रूप से स्थान और प्रयत्न के आधार पर किया जाता है। व्यंजनों के उत्पन्न होने के स्थान से संबंधित व्यंजन को आसानी से पहचाना जा सकता है। 'ट' वर्ग उच्चारण की दृष्टि से मूर्धन्य ध्वनि है।

**37.** (A) जिन वर्णों पर अधिक जोर दिया जाता है, वे दीर्घ स्वर कहलाते हैं। उनकी मात्रा 2 होती है। 'आ' दीर्घ स्वर है।

**38.** (D) प्लुत स्वर के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से भी अधिक समय लगता है। इसका कोई चिह्न नहीं होता है। इसके लिए '३' का अंक लगाया जाता है। जैसे–'ओ३म्'।

**39.** (A) वर्णमाला में स्पर्श व्यंजनों की संख्या '25' होती है। क् से म् तक के 25 व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| क वर्ग | क् | ख् | ग् | घ्, | ङ् |
| च वर्ग | च् | छ् | ज् | छ्, | ञ |
| त वर्ग | त् | थ् | द् | ध् | न् |
| प वर्ग | प् | फ् | ब् | भ् | म् |

**40.** (C) स्वर ए–ऐ का उच्चारण स्थान कण्ठ तालव्य होता है।

**41.** (D) हिन्दी शब्दकोश में 'क' के बाद 'क्ष' व्यंजन आता है।

**42.** (A) ग्रीवा ध्वनि देवनागरी लिपि की वर्ण ध्वनि नहीं है। अन्य तीनों विकल्पों में दी गई ध्वनि देवनागरी लिपि की ध्वनि है।

**43.** (B) 'च' वर्ग के 'झ्' व्यंजन का उच्चारण तालु से होता है।

**44.** (D) जिन ध्वनियों की गणना न स्वर में की जाती है न व्यंजन में उन्हें अयोगवाह कहा जाता है।

**45.** (B) स्वरतंत्रियों के आधार पर व्यंजनों को दो वर्गों में बाँटा गया है–(1) घोष व्यंजन, (2) अघोष व्यंजन।

**46.** (D) जिह्वा की नोंक जब ऊपर के दाँतों की पंक्ति के सामने वाले दाँत के ऊपरी हिस्से के सम्पर्क में आकर वायु के प्रवाह को अवरुद्ध करती है, ऐसे उच्चारण स्थान को 'वर्त्स्य' कहा जाता है।

**47.** (A) विकल्प (A) में दिया गया वर्ण 'स' दंत्य वर्ण है। इसके अतिरिक्त 'त' वर्ग के सभी वर्ण तथा ल भी दन्त्य वर्ण कहलाते हैं।

**48.** (C) 'म' अनुनासिक वर्ण है। हिन्दी में अनुनासिक वर्णों की संख्या पाँच है–ङ, ञ, ण, न, म। अनुनासिक के उच्चारण में नाक से बहुत कम साँस निकलती है और मुँह से अधिक।

**49.** (D) विकल्प (D) में दिया गया 'ग' वर्ण घोष वर्ण है। प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा और पाँचवाँ वर्ण, सारे स्वर वर्ण, 'य', 'र', 'ल', 'व' और 'ह' घोष वर्ण कहलाते हैं।

**50.** (A) हिन्दी में ध्वनियाँ दो प्रकार की होती हैं–(1) स्वर, (2) व्यंजन।

**51.** (B) मात्रा के आधार पर स्वर तीन प्रकार के होते हैं–(1) ह्रस्व स्वर, (2) दीर्घ स्वर, (3) प्लुत स्वर।

**52.** (B) जिह्वा के आधार पर स्वर तीन प्रकार के होते हैं–(1) अग्र स्वर, (2) मध्य स्वर, (3) पश्च स्वर।

**53.** (D) विकल्प (D) में दिया गया 'ओ' मूल दीर्घ स्वर नहीं है।

**54.** (B) विकल्प (B) में दिया गया 'ग' वर्ण अल्प प्राण व्यंजन है। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवाँ वर्ण अल्पप्राण व्यंजन होता है।

**55.** (D) विकल्प (D) में दिया गया 'उ' 'ओष्ठ्य' वर्ण है। उ, ऊ तथा 'प' वर्ग के सभी वर्ण ओष्ठ्य वर्ण कहलाते हैं। ये दोनों ओठों के स्पर्श से बोले जाते हैं।

**56.** (B) जिनका उच्चारण स्वतंत्रता से होता है और जो व्यंजन के उच्चारण में सहायक होते हैं, उन्हें स्वर कहते हैं।

**57.** (C) तालु और जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण तालव्य वर्ण कहलाते हैं। इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ आदि का उच्चारण तालु से होता है। इन्हें तालव्य वर्ण कहते हैं।

**58.** (A) विकल्प (A) में दिया गया 'व' वर्ण दन्त्योष्ठ्य ध्वनि है। दाँत से जीभ व ओठों के कुछ योग से बोले जाने वर्ण दन्त्योष्ठ्य वर्ण कहलाते हैं।

**59.** (B) जब एक ही ध्वनि की द्वित्व हो जाए, तब वह युग्मक ध्वनि कहलाती है; जैसे– उत्फुल्ल, अक्षुण्ण आदि। युग्मक ध्वनियाँ अधिकतर शब्द के मध्य में आती हैं।

**60.** (A) विकल्प (A) 'ख', 'छ', 'ठ' महाप्राण वर्णों वाला वर्ग प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण तथा सभी ऊष्म वर्ण महाप्राण होते हैं।

**61.** (C) विकल्प (C) 'क, च, प, द' सभी स्पर्श व्यंजन हैं। 'क्' से 'म्' तक के सभी 25 व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं।

**62.** (C) विकल्प (C) में दिया गया 'ह' वर्ण काकल्य वर्ण कहलाता है।

**63.** (B) विकल्प (B) में दिया गया 'ऐ' अर्द्ध विवृत्त स्वर है।

**64.** (B) अन्तःस्थ और ऊष्म वर्णों की संख्या आठ होती है—चार अन्तःस्थ व्यंजन—य, र, ल, व।

चार ऊष्म व्यंजन—श, ष, स, ह।

**65.** (C) प्रत्येक वर्ग का दूसरा, चतुर्थ वर्ण तथा ऊष्म वर्ण (श, ष, स, ह) महाप्राण व्यंजन कहलाते हैं।

**66.** (B) अ, आ, अः, क, ख, ग, घ, ङ एवं ह कण्ठ्य वर्ण में आते हैं।

**67.** (A) जब दो व्यंजन एक साथ मिलते हैं तो उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं, जैसे—क्ष = क् +ष, त्र = त् + र, ज्ञ = ज् + ञ, श्र = श् + र।

**68.** (A) वर्ण तालिका के अनुसार ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत स्वर निम्न हैं—

ह्रस्व स्वर—अ, इ, उ, ऋ

दीर्घ स्वर—आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

प्लुत स्वर—नाटक या संबोधन में प्रयुक्त होता है इनके उच्चारण में, दीर्घ स्वर से अधिक समय लगता है; जैसे ओउम।

**69.** (B)

| **व्यंजन** | **व्यंजन का वर्गीकरण** |
|---|---|
| य र ल व | अन्तःस्थ व्यंजन |
| श ष स ह | ऊष्म/संघर्षी व्यंजन |
| च छ ज झ | स्पर्श व्यंजन (तालव्य) |
| क्ष त्र ज्ञ श्र | संयुक्त व्यंजन |

**70.** (C) हिन्दी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या 33 है।

**71.** (C) महाप्राण व्यंजन—जिन व्यंजनों के उच्चारण में मुख से अधिक हवा निकले तथा जिन व्यजनों के उच्चारण में हकार की ध्वनि विशेष रूप से सुनाई दे (प्रत्येक

वर्ग का दूसरा और चौथा व्यंजन) महाप्राण व्यंजन कहते हैं।

जैसे—ख, घ, छ, झ, ठ, ढ आदि।

अतः "घ" महाप्राण व्यंजन होगा।

**72.** (D) ए, ऐ, ओ, औ संयुक्त स्वर हैं। अ + इ = ए, अ + उ = ओ, अ + ए = ऐ तथा अ + ओ = औ होगा।

**73.** (B) अनुस्वार (ँ) तथा विसर्ग (:) ऐसी दो मात्राएँ हैं जिनका प्रयोग तो किया जाता है किन्तु उनको स्वर में नहीं गिना जाता है।

**74.** (A) प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण 'महाप्राण' कहलाता है।

**75.** (A) 'सम्बल' शब्द 'सम्पृक्त ध्वनि' का उदाहरण है। 'जब एक ध्वनि दो व्यंजनों से संयुक्त हो जाय, तब वह सम्पृक्त ध्वनि कहलाती हैं; जैसे—सम्बल, शब्द में 'स' और 'ब' ध्वनियों के साथ 'म' ध्वनि संयुक्त हुई है।

**76.** (D) स्वरों का उच्चारण बिना किसी की सहायता से होता है। ये सभी स्वतंत्र होते हैं।

**77.** (C) दिये गये विकल्पों में वर्ण 'ब' सघोष वर्ण हैं। जिन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन उत्पन्न होता है वे सघोष वर्ण कहलाते हैं; जैसे—हर वर्ग का तीसरा, चौथा और पाँचवाँ व्यंजन।

**78.** (C) 'उद्यान' का शुद्ध वर्ण–विच्छेद—'उ + द् + य + आ + न् + अ' है।

**79.** (D) जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ का मध्य भाग काम करता है, उसे मध्य स्वर कहते हैं, जैसे—अ।

**80.** (C) 'र्+म' का रूप 'र्म' है।

**81.** (B) 'प्र' में पूर्ण वर्ण 'र' है।

**82.** (B) 'श' का उच्चारण स्थान तालु है। इसके अतिरिक्त इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ एवं य का उच्चारण स्थान भी तालु है। 'स' एवं 'ष' का उच्चारण स्थान क्रमशः दन्त एवं मूर्धा है। इसके अतिरिक्त अ, आ, क, ख, ग, घ, ङ, ह एवं विसर्ग(:) का उच्चारण स्थान कंठ। ऋ, ट, ठ, ड, ढ, ण, ड़, ढ़, र एवं ष का उच्चारण स्थान मूर्द्धा तथा त, थ, द, ध, न, ल का उच्चारण स्थान दन्त है।

**83.** (C) 'ज' ध्वनि महाप्राण ध्वनि नहीं है।

**84.** (D) भाषा विज्ञान की दृष्टि से जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ का पश्च भाग कार्य करता है, उसे 'पश्च स्वर' कहा जाता है। जैसे—आ, उ, ऊ, ओ, औ, आँ।

**85.** (C) 'व' का उच्चारण स्थान दन्तोष्ठ है। जबकि त, थ, द, ध, न, ल, स, का उच्चारण स्थान दन्त, उ, ऊ, प, फ, ब, भ, म का उच्चारण स्थान ओष्ठ तथा ओ, औ का उच्चारण स्थान कण्ठोष्ठ है।

**86.** (B) संयुक्त व्यंजन—ज्ञ—ज् + ञ,

**87.** (C) 'ट' वर्ग में ट, ठ, ढ, ड, ण आता है और 'त' वर्ग में त, थ, द, ध, न आता है। अतः स्पष्ट है 'ध' त वर्ग में आता है।

**88.** (B) हिंदी भाषा में ह्रस्व स्वरों की संख्या चार है। अ, इ, उ, ऋ।

**89.** (B) 'ल' और 'स' का उच्चारण दंत्य से होता है। दाँत और जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण दन्त्य व्यंजन कहलाते हैं।

**90.** (C) हिन्दी भाषा की कुल वर्ण लिपियों की संख्या 52 है।

| | |
|---|---|
| **स्वर**—अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ | = 11 |
| **अयोगवाह**—अं, अः | = 2 |
| **व्यंजन**— | |
| क वर्ग — क, ख, ग, घ, ङ | = 5 |
| च वर्ग — च, छ, ज, झ, ञ, | = 5 |
| ट वर्ग — ट, ठ, ड, ढ, ण, | = 5 |
| त वर्ग — त, थ, द, ध, न | = 5 |
| प वर्ग — प, फ, ब, भ, म | = 5 |
| अंतस्थ — य, र, ल, व | = 4 |
| ऊष्म — श, ष, स, ह | = 4 |
| **संयुक्त व्यंजन**— क्ष, त्र, ज्ञ, श्र | = 4 |
| **द्विगुण व्यंजन** — ड़, ढ़ | = 2 |
| **कुल वर्णों की संख्या** | = 52 |

**91.** (D) जिनकी ध्वनि केवल मुख से निकलती है, उन्हें 'निरनुनासिक स्वर' कहते हैं।

**92.** (A) क–वर्ग, च–वर्ग, ट–वर्ग, त–वर्ग तथा प–वर्ग को स्पर्श व्यंजन कहा जाता है। इनमें चवर्ग (च, छ, ज, झ, ञ) के उच्चारण में अधिक संघर्ष होता है। अर्थात् मुख से निकलने वाली वायु अधिक घर्षण करती है। यही कारण है कि इन्हें स्पर्श संघर्षी व्यंजन कहते हैं। अतः 'ज' स्पर्श संघर्षी व्यंजन है। य, व, र, ल अन्तस्थ तथा श, ष, स, ह को ऊष्म या व्यंजन कहते हैं।

**93.** (A) ओज ।

काव्य के गुण मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं।

(1) **माधुर्य गुण**—जहाँ मधुरता का संचार होता है वहाँ माधुर्य गुण होता है। इसमें वर्ण प्रयुक्त होते हैं—क, ख, ग, च, छ, ज, झ, त, द, न

(2) **ओजगुण**—जिस काव्य को पढ़ने से उमंग और उत्साह का संचार होता है, उसे ओज गुण प्रधान काव्य कहते हैं। इसमें वर्ण प्रयुक्त होते हैं। ट, ठ, ड, ढ, ण।

(3) **प्रसादगुण**—जिस काव्य को पढ़ कर हृदय में शान्ति का बोध होता है, उसे प्रसाद गुण कहते हैं। इस गुण से युक्त काव्य सरल, सुवोध एवं सुग्राह्य होता है।

**94.** (C) नासिका

**95.** (A) 'मात्रा' स्वरों का वह रूप है जो व्यंजनों के साथ जोड़ा जाता है।

**96.** (A) भाषा की सबसे छोटी इकाई 'ध्वनि' है। उच्चारित ध्वनियों को जब लिखकर बताना होता है तब उनके लिए कुछ लिखित चिह्न बनाए जाते हैं। ध्वनियों को व्यक्त करने वाले ये लिपि–चिह्न ही **'वर्ण'** कहलाते हैं अर्थात् वर्ण भाषिक ध्वनियों के लिखित रूप होते हैं। अतः वर्ण को भाषा की सबसे लघुत्तम इकाई माना जाता है।

**97.** (D) विसर्ग महाप्राण सूचक एक स्वर है। इसका उच्चारण 'ह' के समान होता है। उदाहरण के लिए–प्रातः, अतः, सम्भवतः आदि। **श, ष** तथा **स** संघर्षी अथवा ऊष्ण व्यंजन कहलाते हैं।

**98.** (D) वर्ण – क, ख, ग, घ ड़ – कण्ठ से
वर्ण – च, छ, ज, झ, ञ – तालु से
वर्ण – ट, ठ, ड, ढ, ण – मूर्धा से
वर्ण – त, थ, द, ध, न – दन्त से
वर्ण – प, फ, ब, भ, म – ओष्ठ से

**99.** (D) दिए गये विकल्पों में असत्य कथन (D) है। 'सभी विसर्ग सघोष नहीं होते हैं।'

**100.** (A) विकल्प (A) में दिया गया वर्ण 'न' नासिक्य व्यंजन है। नासिक्य व्यंजन उन्हें कहते हैं, जिनमें मुँह से वायु निकलने पर अवरोध हो। लेकिन नासिकाओं से निकलने की छूट हो। अतः विकल्प (A) सही है।

**101.** (A) ऐसे व्यंजन जिसमें मुँह से वायु निकलने पर अवरोध हो, लेकिन नासिकाओं से निकलने में आसानी हो, उन्हें नासिक्य व्यंजन कहते हैं। ये पाँच होते हैं – ङ, ञ, ण, न, म।

**102.** (B) 'य, र, ल, व' अन्तःस्थ व्यंजन हैं।

**103.** (B) शब्द की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' कहलाती है और इन्हीं इकाइयों को मिलाकर शब्दों तथा वाक्यों की रचना होती है। अतः विकल्प (B) सही है।

**104.** (A) वर्णों के समुदाय को वर्णमाला कहते हैं अतः विकल्प (A) सही है।

**105.** (C) विकल्प (C) में दिये गये वर्ण 'श' में तालव्य ध्वनि है। अतः विकल्प (C) सही है।

**106.** (A) विकल्प (A) में दिया गया वर्ण 'क' 'अघोष वर्ण' है। नाद की दृष्टि से जिन व्यंजन वर्णों के उच्चारण में स्वतंत्रियाँ झंकृत नहीं होती हैं, उन्हें अघोष वर्ण कहते हैं। अतः विकल्प (A) सही है।

**107.** (B) 'श' का उच्चारण स्थान तालु है। तालु और जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण तालव्य व्यंजन कहलाते हैं। अतः विकल्प (B) सही है।

**108.** (D) 'मातृभूमि' शब्द में 'र' व्यंजन नहीं है। अतः विकल्प (D) सही है।

**109.** (A) 'क्ष' एक संयुक्त वर्ण है जो वर्णों के संयोग से बनता है।

**110.** (D) 'ढ' वर्ण 'ट' वर्ग के अन्तर्गत आता है। (ट, ठ, ड, ढ, ण)।

**111.** (A) अर्थ व्यक्त करने वाली सबसे छोटी इकाई 'शब्द' है।

**112.** (D) जिस मूल ध्वनि के खण्ड न हो सकें, उसे वर्ण कहते हैं।

**113.** (B) उच्चारण के आधार पर हिन्दी–व्यंजनों को 9 वर्गों में रखा जाता है।

| **उच्चारण स्थान (ध्वनि वर्ग)** | **उच्चरित ध्वनि** |
|---|---|
| द्वयोष्ठ्य | प, फ, ब, भ, म |
| दन्त्योष्ठ्य | फ़ |
| दन्त्य | त, थ, द, ध |
| वर्त्स्य | न, स, ज, र, ल, ळ |
| मूर्धन्य | ट, ठ, ड, ढ, ण, ड़, ढ़, र, ष |
| कठोर तालव्य | श, च, छ, ज, झ |
| कोमल तालव्य | क, ख, ग, घ, ञ, ख़, ग़ |
| पश्च–कोमल–तालव्य | क |
| स्वरयंत्रामुखी | ह |

**114.** (D) वर्ग के पंचमाक्षर को अनुनासिक व्यंजन कहते हैं। इनके उच्चारण में हवा नाक से ही निकलती है। ये वर्ण हैं–ङ्, ञ्, ण्, न्, म्।

**115.** (D) 'फ' वर्ण का उच्चारण स्थान ओष्ठ है।

**116.** (A) जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ स्वरों से भी अधिक समय लगता है उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं। जैसे–'ओउम्'।

**117.** (A) जिन वर्णों का उच्चारण स्थान दाँत होता है। उन्हें दन्त्य वर्ण कहते हैं। इनमें त, थ, द, ध, और स वर्ण आते हैं।

**118.** (B) दिये गये विकल्पों में विकल्प (B) 'य' संयुक्त व्यंजन नहीं अपितु अन्तःस्थ व्यंजन है। संयुक्त व्यंजन क्ष, त्र, श्र, श्र है।

**119.** (C) जिन ध्वनियों का उच्चारण ऊपर के दाँतों पर जीभ लगाने से होता है, वह दन्त्य ध्वनियाँ कहलाती हैं, जैसे 'त' वर्ग की व्यंजन ध्वनियाँ।

**120.** (B) उपरोक्त में से ऊष्म व्यंजन 'श–ष–स' हैं।

**121.** (A) 'ङ' का उच्चारण स्थान नासिक्य है। इसके अतिरिक्त अं, ञ, ण, न, म आदि वर्णों का उच्चारण स्थल नासिक्य है।

**122.** (A) हिन्दी शब्दकोश में सबसे पहले कृशानु, कृषक, क्रम, क्लीव आते हैं अतः 'क्लीव' सबसे अन्त में आएगा।

**123.** (C) ट वर्ग के वर्ण ट, ठ, ड, ढ, ण सभी मूर्धन्य व्यंजन होते हैं।

**124.** (B) 'घ' का उच्चारण स्थान है–कण्ठ है।

**125.** (C) कलरव में कोई भी मात्रा प्रयुक्त नहीं की गई है। इसलिए यह एक अमात्रिक शब्द है।

**126.** (B) अनुस्वार एवं विसर्ग को 'अयोगवाह' को अनुस्वार एवं विसर्ग कहा जाता है।

**127.** (C) अनुस्वार स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है। अनुस्वार पूर्ण अनुनासिक ध्वनि है। इसका उच्चारण नासिका से होता है इसमें नाक से बहुत कम साँस निकलती है और मुँह से अधिक। इसलिए इसे नासिक तथा अनुनासिक भी कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का पंचमाक्षर अनुनासिक होता है, जैसे–ङ, ञ, ण्, न्, म् आदि।

**128.** (C) जिन वर्णों के उच्चारण में जिह्वा ऊपरी दाँतों का स्पर्श करती है, वे दन्त्य व्यंजन कहे जाते हैं, **जैसे–**त्, थ्, द्, ध् आदि।

**129.** (A) हिन्दी शब्दकोश में पहले आने वाला शब्द 'वक्त' है। उसके बाद वक्र, वरक, वर्ग है।

**130.** (C) हिन्दी शब्दकोश में अं वर्ण अः वर्ण से पहले आता है।

**131.** (C) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय एक सरकारी विभाग है, जिसकी स्थापना 1 मार्च, 1960 ई. को की गयी थी। यह मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन है। इसका कार्य देवनागरी लिपि एवं हिन्दी का मानकीकरण करना है। इसके अतिरिक्त हिन्दी भाषा के कोशों का संकलन करना, उनका प्रकाशन करना तथा निःशुल्क हिन्दी पुस्तक वितरण करना है। केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ने मानक वर्णमाला में 11 स्वर तथा 35 व्यंजन की ध्वनियों को स्थान दिया है।

**132.** (A) उच्चारण स्थान की दृष्टि से 'अ' और 'आ' स्वर तालव्य हैं। संस्कृत में इनका उच्चारण स्थान कंठ होता है।

**133.** (D) विकल्प (D) में दिया गया 'ह' वर्ण घोष–महाप्राण है।

**घोषवर्ण**–प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा और पाँचवाँ वर्ण, सभी स्वर वर्ण तथा य, र, ल, व, ह घोष वर्ण कहलाते हैं।

**महाप्राण**–महाप्राण व्यंजनों के उच्चारण में हंकार जैसी ध्वनि रहती है और श्वास अधिक मात्रा में निकलती है, उसे महाप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण समस्त ऊष्म वर्ण (श, ष, स, ह) महाप्राण होते हैं।

**134.** (D) सभी स्वर 'अल्पप्राण' होते हैं।

**135.** (C) विकल्प (C) में दी गई 'ध' ध्वनि 'दन्त' ध्वनि है जो 'त' वर्ग के अन्तर्गत आती है। अन्य विकल्पों में दी गई ध्वनियाँ ओष्ठ ध्वनि है।

**136.** (C) अपभ्रंश में आठ स्वर होते हैं–
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए तथा ओ।

**137.** (A) क्य (क् + य) ध्वनि संयुक्त व्यंजन है संयुक्त व्यंजन उसे कहते हैं जहीं दो व्यंजन मिलकर नये सार्थक व्यंजन का निर्माण करते हैं। जबकि हिन्दी वर्णमाला में मूलतः चार (क्ष, त्र, ज्ञ, श्र) संयुक्त व्यंजन पाये जाते हैं।

**138.** (D) मूर्धन्य ध्वनियाँ वे ध्वनियाँ होती हैं जो मूर्द्धा और जीभ के स्पर्शवाले वर्ण–
त्र, र, ष, तथा ट वर्ग (ट, ठ, ड, ढ, ण,)
जबकि ड़, ढ़, द्विगुण व्यंजन हैं इनकी ध्वनि को अयोगवाह कहते हैं।

**139.** (B) देवनागरी लिपि आक्षरिक है। देवनागरी में एक वर्ण के लिए एक ध्वनि है, अर्थात् प्रत्येक अक्षर उच्चारित होते हैं। देवनागरी की वर्णमाला वैज्ञानिक है।

**140.** (B) मराठी और नेपाली भाषा शारदा लिपि में लिखी जाती है।

**141.** (A) भाषा में अभिव्यक्ति के तीन प्रकार हैं– लिखित, मौखिक, सांकेतिक।

**142.** (C) दो असमान स्वरों के मिलने से जो नया वर्ण बनता है, उसे संयुक्त स्वर कहते हैं। उदाहरण अ + इ = ए  अ + ए = ऐ
अ + उ = ओ  अ + ओ = औ

**143.** (B) जिन वर्णों के उच्चारण द्वारा मुख से विशेष प्रकार की गर्म (ऊष्म) वायु निकलती है। इनके उच्चारण में श्वास की प्रबलता रहती है। ये चार होते हैं–श, ष, स, ह।

**144.** (B) जिन वर्णों के उच्चारण में सांस की मात्रा अधिक लगानी पड़ती है, उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण (ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ) तथा श, ष, स, ह, महाप्राण हैं।

**145.** (B) 'थ' का उच्चारण स्थान मूर्धा नहीं है। मुख के भीतर तालु और ओठ के बीच का कठोर भाग मूर्धा कहलाता है। ट, ठ, ड, मूर्धन्य व्यंजन हैं।

**146.** (D) स्वरों का वर्गीकरण विभिन्न आधारों पर किया गया है, जैसे–**ह्रस्व स्वर**–अ, इ, उ, ऋ (जिनके उच्चारण में कम समय लगता है।) **दीर्घ स्वर**–आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ (जिनके उच्चारण में ह्रस्व स्वर से अधिक समय लगता है।

**147.** (C) 'थ' दन्त्य व्यंजन है, जिनका उच्चारण स्थान दन्त है अथवा जिनके उच्चारण में जिह्वा दाँतों में लगती है, दन्त्य व्यंजन कहते हैं– त्, थ्, द, ध, न का उच्चारण स्थान दंत है।

**148.** (A) जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा को दो तीन बार कंपन करना पड़ता है, वे प्रकम्पित कहलाते हैं, जैसे– र।

**149.** (D) हिन्दी शब्दकोश में 'क' के बाद क्ष व्यंजन देखने को मिलता है, क्योंकि क्ष संयुक्त व्यंजन है। क् + श = क्ष।

**150.** (D) वर्त्स्य ध्वनियाँ वे होती हैं, जो दाँतों के संपर्क में आकर वायु के प्रवाह को अवरुद्ध करती हैं। इसके अंतर्गत अरबी, फारसी की ज और फ की ध्वनि आती है।

**151.** (D) ध्वनि की दृष्टि से जिन व्यंजन वर्णों के उच्चारण में स्वर तंत्रियाँ झंकृत होती हैं, उन्हें घोष कहते हैं। जैसे–
ग, घ, ड़, ज, झ, ञ आदि।

**152.** (B) प, फ, ब, भ, म ये सभी ओष्ठ्य व्यंजन हैं।
दंत्य व्यंजन–त, थ, द, ध, न।
तालव्य व्यंजन–च, छ, ज, झ, ञ।
कंठ् व्यंजन–क, ख, ग, घ, ङ।

**153.** (A) वर्ण तालिका के अनुसार ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत स्वर निम्न हैं–
ह्रस्व स्वर–अ, इ, उ, ऋ
दीर्घ स्वर–आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
प्लुत स्वर–नाटक या संबोधन में प्रयुक्त होता है इनके उच्चारण में, दीर्घ स्वर से अधिक समय लगता है; जैसे ओउम।

**154.** (B) 'प्र' में पूर्ण वर्ण 'र' है। इसमें 'र' वर्ण का प्रयोग करने से पूर्व 'प' व्यंजन का प्रयोग संयुक्त अक्षर के रूप 'र' के साथ किया है। इस तरह के अक्षर में स्वर नहीं होता है।

**155.** (B) संयुक्त व्यंजन–(1) ज्ञ–ज् + ञ,
(2) क्ष–क् + घ, (3) त्र–त् + र, (4) श्र–ज्ञ् + र

**156.**(A) ऊष्म/संघर्षी व्यंजन–जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय वायु मुख में किसी स्थान विशेष पर घर्षण/रगड़ खा कर निकले और ऊष्मा/गर्मी पैदा करे।

| **वर्ग** | **उच्चारण** | **स्थान** |
|---|---|---|
| श | तालव्य | तालु |
| व | मूर्धन्य | मूर्धा |
| स | वर्त्स्य | दंतमुख/मसूढ़ा |
| ह | स्वर यंत्रीय | स्वर यंत्र (कंठ के भीतर स्थित) |

**157.** (A) हिन्दी वर्णमाला में स्वरों की संख्या 11 होती है जो इस प्रकार हैं– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

**158.** (B) य, र, ल, व, अन्तःस्थ व्यंजन हैं।
श, ष, स, ह – ऊष्म व्यंजन, 'च' वर्ग के सभी वर्ण 'तालव्य' व्यंजन तथा 'त' वर्ग के सभी वर्ण दंत्य व्यंजन कहलाते हैं।

**159.** (D) 'ष' का उच्चारण स्थान 'मूर्द्धा' होता है। 'ष' ऊष्म व्यंजन है। अतः विकल्प (D) सही है।

**160.** (C) हिन्दी शब्दकोश में 'क्ष' का क्रम 'क' के बाद आता है। अतः विकल्प (C) सही है।

**161.** (D) लिपि चिह्नों के क्रमबद्ध समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं।

**162.** (B) जिन वर्णों पर अनुस्वार और विसर्ग लगे होते हैं, उन्हें अयोगवाह वर्ण कहते हैं। दिये गये विकल्पों में से 'अं' तथा 'अः' 'अयोगवाह' वर्ण हैं।

**163.** (A) मूर्धन्य व्यंजन ऐसे किरीट व्यंजन (यानि जिह्वा के लचीले सामने के हिस्से से उच्चारित) होते हैं जो जिह्वा द्वारा वर्त्स्य कटक और कठोर तालु के बीच उच्चारित होते हैं। इनमें "ट", "ठ", "ड", "ढ", "ड" और "ण" शामिल हैं।

**164.** (D) संवृत स्वर या ऊँचा स्वर ऐसी स्वर ध्वनि होती है जिसमें, बिना व्यंजन की ध्वनि बनाए, जिह्वा को मुँह में जितना सम्भव हो सके उतना ऊँचा और तालु से समीप रखा जाता है। उदाहरण के लिए "ई" ऐसा एक स्वर है। अगर जिह्वा को किसी संवृत स्वर से अधिक ऊपर उठाया जाए तो वायु–प्रवाह बंद हो जाता है और ध्वनि स्वर की नहीं बल्कि व्यंजन की बन जाती है जबकि विवृत स्वर या निम्न स्वर ऐसी स्वर ध्वनि होती है जिसमें जिह्वा को मुँह में जितना सम्भव हो सके उतना नीचे और तालु से दूर रखा जाता है। उदाहरण के लिए "आ" ऐसा एक स्वर है।

**165.** (C) 'छ' का उच्चारण स्थान तालु है, जिन ध्वनियों का उच्चारण जिह्वा का मध्य भाग तालु से स्पर्श करता है। अन्य हैं च, छ, ज, झ, त्र, श, य आदि।

**166.** (B) 'ह' वर्ण अन्तःस्थ व्यंजन नहीं है यह ऊष्म व्यंजन है। ऊष्म व्यंजन चार हैं–श, ष, स आदि हैं। जबकि य, र, ल, व अन्तःस्थ व्यंजन हैं।

**167.** (B) य, र, ल,व अन्तःस्थ व्यंजन हैं। स, ष, श, ह ऊष्म व्यंजन हैं, और च, छ,ज, झ, ञ, संघर्षी व्यंजन के अन्तर्गत आते हैं। जिन व्यंजनों के उच्चारण में श्वास का अवरोध बहुत ही कम होता है, उसे अन्तस्थ व्यंजन कहते हैं।

**168**. (A) 'श्री' – श + र + ई

**169.** (C) पंचांग में उच्चारित ध्वनियों का लेखन 'पञ्चाङ्ग' में हुआ है।

**170.** (A) वर्ण संकेतों की सहायता से भाव या विचार की अभिव्यक्ति को लिपि कहते हैं। ध्वनियों को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उसे लिपि कहते हैं।

**171.** (D) 'फ' वर्ण महाप्राण को दर्शाता है जबकि ट, ड तथा ण वर्ण अल्पप्राण को दर्शाते हैं।

**172.** (B) हिन्दी वर्णमाला में 'घ' वर्ण व्यंजन विभाग में आता है। जैसे– क, ख, ग, च, छ आदि। व्यंजन वे वर्ण होते है जिनका उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है।

**173.** (A) स्वतंत्र रूप से बोली जाने वाली ध्वनियों को 'स्वर' कहते हैं।